

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का हिंदी दिवस पर संदेश

14 सितंबर, 1949 का दिन भारतीय इतिहास में विशेष स्थान रखता है। इस दिन हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इस उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी देश में हिंदी एक संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है। हिन्दी के महत्व को गांधी जी का यह वक्तव्य बहुत अच्छी तरह से रेखांकित करता है "अगर हमें हिंदुस्तान को एक राष्ट्र बनाना है तो राष्ट्रभाषा हिंदी ही हो सकती है।" हिंदी देश के अधिकांश जनमानस के विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। यह एक सशक्त, समृद्ध और उदार भाषा है जिसने बहुभाषी देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। कालांतर में हिन्दी ने देशी तथा विदेशी भाषाओं के बहुत से शब्दों को अपने में आत्मसात किया है जिसके परिणामस्वरूप यह और अधिक व्यापक एवं समृद्ध भाषा बन गई है।

संघ की राजभाषा होने के नाते एमएमटीसी में राजभाषा हिंदी को व्यवहार में लाना हम सभी का दायित्व है। सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियम व नियमों तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन करना हमारा वैधानिक कर्तव्य है। हमें एमएमटीसी में राजभाषा नीति को पूरी निष्ठा तथा ईमानदारी के साथ लागू करना है जिसमें आप सभी का सक्रिय सहयोग वांछित है।

कंपनी में हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं जिनमें कंप्यूटरों पर यूनिकोड उपलब्ध कराना, हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन करना, हिंदी प्रोत्साहन योजना लागू करना इत्यादि प्रमुख हैं। यूनिकोड तथा विभिन्न साफ्टवेयरों के विकास ने हिंदी में कार्य करना बहुत आसान बना दिया है। आवश्यकता केवल इन सुविधाओं का उपयोग कर हिंदी में काम करने की है।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और अपील करता हूं कि हिंदी को आयोजनों तथा आंकड़ों तक सीमित न रखकर इसे अपने कार्यालय के काम की भाषा बनाएं। हम सभी इसे अपना दायित्व समझें ताकि देश को एक धागे में पिरोने की कोशिश में सहयोग हो सके।

  
(वेद प्रकाश)

स्थान : नई दिल्ली  
दिनांक : 14 सितंबर 2017